HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : JULY 3, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. निम्नलिखित शास्त्रीय नृत्य रूपों का उनकी संबंधित विशेषताओं के साथ मिलान कीजिए:

सूची-I (नृत्य रूप)	सूची-II (संबद्ध विशेषता)
A. मोहिनीअट्टम	1. कवुतुवम (Kavutuvam) का उपयोग और यक्षगान परंपरा के कथात्मक अंश
B. कुचिपुड़ी	2. सफेद-सुनहरे परिधान और गोलाकार आंदोलनों के साथ 'लास्य' पर जोर
C. ओडिसी	3. मंदिर वास्तुकला से प्रेरित मूर्तिकला 'त्रिभंग' मुद्रा
D. कथकली	4. विस्तृत चेहरे के श्रृंगार के साथ 'तांडव' तत्वों की प्रधानता

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) A-2, B-1, C-3, D-4

(b) A-3, B-2, C-1, D-4

(c) A-2, B-3, C-1, D-4

(d) A-1, B-2, C-3, D-4

उत्तर: (a)

विस्तृत व्याख्या:

- **मोहिनीअट्टम:** यह अपने लास्य (कोमल भाव), कोमल गोलाकार आंदोलनों और सफेद-सुनहरे परिधान के लिए जाना जाता है → 2.
- **कुचिपुड़ी:** इसमें पारंपरिक रूप से कथात्मक तत्व और कवुतुवम शामिल हैं, और इसकी जड़ें यक्षगान परंपरा में हैं → 1.
- **ओडिसी:** यह मंदिर की मूर्तियों से प्रेरित 'त्रिभंग' मुद्रा (शरीर का तीन जगह से मुड़ना) पर जोर देता है → 3.
- **कथकली:** इसकी विशेषता मजबूत तांडव तत्व और चेहरे का विस्तृत श्रृंगार है → 4.

अतः, विकल्प (a) सही है।

प्रश्न 2. उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिक तंत्र में 'पारिस्थितिक अनुक्रमण' (Ecological Succession) के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सबसे अच्छी व्याख्या करता है कि 'द्वितीयक अनुक्रमण' (Secondary Succession) आमतौर पर 'प्राथमिक अनुक्रमण' से तेज क्यों होता है?

(a) द्वितीयक स्थलों पर उच्च वर्षा की उपस्थिति

(b) मृदा बीज बैंक (Soil seed bank), सूक्ष्मजीवों और कार्बनिक पदार्थों की उपलब्धता

(c) अशांत परिदृश्यों में अधिक सौर विकिरण

(d) चरम समुदाय (Climax community) की प्रतिस्पर्धा की अनुपस्थिति

उत्तर: (b)

विस्तृत व्याख्या:

द्वितीयक अनुक्रमण उन क्षेत्रों में होता है जहाँ किसी विक्षोभ (जैसे आग या बाढ़) ने वनस्पति को हटा दिया है, लेकिन मिट्टी, सूक्ष्मजीव, पोषक तत्व और अक्सर 'बीज बैंक' शेष रहते हैं। यह पहले से मौजूद जैविक और अजैविक आधार प्राथमिक अनुक्रमण की तुलना में उपनिवेशण (colonisation) को तेज करता है, जहाँ पहले मिट्टी का निर्माण होना बाकी होता है। केवल वर्षा, विकिरण या प्रतिस्पर्धा गति के अंतर की मौलिक व्याख्या नहीं करते हैं।

प्रश्न 3. भारतीय रिजर्व बैंक के 'रेपो ऑपरेशन' (Repo operation) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. रेपो ऑपरेशन अल्पकाल में बैंकिंग प्रणाली में तरलता (Liquidity) का हमेशा विस्तार करता है।
2. रेपो लेनदेन में सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) का उपयोग कोलेटरल (संपार्श्विक) के रूप में किया जाता है।
3. रेपो दर में वृद्धि सीधे आरबीआई से बैंकों के लिए अल्पकालिक धन की लागत को बढ़ाती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

विस्तृत व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** रेपो तरलता का विस्तार तब करता है जब आरबीआई उधार देता है, लेकिन रिवर्स रेपो या सख्त मौद्रिक नीति के चरणों में, शुद्ध प्रभाव विस्तार नहीं हो सकता है। कथन में "हमेशा" शब्द का प्रयोग इसे गलत बनाता है।
- **कथन 2 सही है:** रेपो लेनदेन सरकारी प्रतिभूतियों द्वारा सुरक्षित (collateralised) होते हैं।
- कथन 3 सही है: उच्च रेपो दर का अर्थ है कि बैंकों के लिए आरबीआई से उधार लेना महंगा हो जाता है।

अतः, केवल कथन 2 और 3 सही हैं → केवल दो।

प्रश्न 4. मौलिक अधिकारों (FRs) और राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (DPSPs) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत दोनों ही अदालतों में न्यायोचित (Justiciable) हैं।
2. नीति निर्देशक सिद्धांत संवैधानिक संशोधन के माध्यम से मौलिक अधिकारों पर हावी (Override) हो सकते हैं।
3. मौलिक अधिकारों का लक्ष्य राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना करना है, जबकि नीति निर्देशक सिद्धांतों का लक्ष्य सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र है।
4. नीति निर्देशक सिद्धांतों को लागू करने वाला कानून अमान्य हो सकता है यदि वह संविधान की मूल संरचना (Basic Structure) का उल्लंघन करता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

विस्तृत व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** मौलिक अधिकार न्यायोचित हैं (उल्लंघन पर कोर्ट जा सकते हैं), जबकि नीति निर्देशक सिद्धांत गैर-न्यायोचित हैं।
- **कथन 2 सही है:** संशोधनों के माध्यम से (जैसे अनुच्छेद 31C), कुछ नीति निर्देशक सिद्धांतों को वरीयता दी गई थी, हालांकि यह मूल संरचना के अधीन है।
- **कथन 3 सही है:** यह संवैधानिक दर्शन का एक मौलिक अंतर है।
- कथन 4 सही है: नीति निर्देशक सिद्धांतों को लागू करने वाले कानून या संशोधन भी 'मूल संरचना सिद्धांत' के दायरे में आते हैं।

अतः, कथन 2, 3 और 4 सही हैं → केवल तीन।

प्रश्न 5. अभिकथन (A): उष्णकटिबंधीय पर्वतों में अधिक ऊंचाई पर, प्राकृतिक वनस्पति घने जंगलों से अल्पाइन घास के मैदानों में बदल जाती है।

कारण (Reasons):

R1. ऊंचाई के साथ तापमान में कमी वृक्षों की वृद्धि को सीमित करती है और बढ़ते मौसम (growing season) को छोटा कर देती है।

R2. अधिक ऊंचाई पर तेज हवाएं और उथली मिट्टी गहरी जड़ें जमाने वाले पेड़ों की स्थापना में बाधा डालती हैं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) A सही है और R1 और R2 दोनों A की सही व्याख्या हैं।

(b) A सही है, लेकिन R1 और R2 में से केवल एक ही A की सही व्याख्या है।

(c) A सही है, लेकिन न तो R1 और न ही R2, A की सही व्याख्या है।

(d) A गलत है, लेकिन R1 और R2 सही हैं।

उत्तर: (a)

विस्तृत व्याख्या:

अभिकथन उष्णकटिबंधीय पहाड़ों में वनस्पति के ऊँचाई वाले क्षेत्रीकरण (Altitudinal Zonation) का सही वर्णन करता है।

- **R1** तापमान की कमी और पेड़ों के लिए कम बढ़ती अवधि की व्याख्या करता है।
- R2 ऊंचाई पर यांत्रिक (हवा) और मृदा संबंधी बाधाओं की व्याख्या करता है।

दोनों कारण मान्य हैं और मिलकर यह समझाते हैं कि जंगल अल्पाइन घास के मैदानों में क्यों बदल जाते हैं।

दैनिक अभ्यास प्रश्न - करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. 'नाट्यशास्त्र' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह 'रस' के सिद्धांत को प्रदर्शन के सौंदर्य परिणाम के रूप में व्यवस्थित करता है और 'भाव' को इसके कारण के रूप में मानता है।
2. यह स्वयं को केवल नृत्य (नृत्य) तक सीमित रखता है और नाटक एवं संगीत को अपने दायरे से बाहर रखता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

विस्तृत व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** भरत मुनि का नाट्यशास्त्र 'रस-भाव' सिद्धांत की विस्तृत व्याख्या करता है, जहाँ प्रदर्शन के माध्यम से व्यक्त भावों (emotions) से रस (सौंदर्य अनुभव) की उत्पत्ति होती है।

- कथन 2 गलत है: यह ग्रंथ अपने दायरे में विश्वकोश के समान है, जिसमें नाटक (नाट्य), नृत्य, संगीत, मंचकला, मुद्राएं, वेशभूषा और सौंदर्यशास्त्र सभी शामिल हैं।

अतः, केवल कथन 1 सही है।

प्रश्न 2. 'बॉन्डी बीच' (Bondi Beach), जो अक्सर समाचारों में देखा जाता है, का सबसे अच्छा वर्णन है:

(a) ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर एक प्रवाल द्वीप (coral atoll) जो ग्रेट बैरियर रीफ का हिस्सा है।

(b) सिडनी के महानगरीय क्षेत्र के भीतर तस्मान सागर तट पर एक रेतीला तट।

(c) दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में दक्षिण महासागर के सामने एक चट्टानी अंतरीप।

(d) मरे नदी के मुहाने पर स्थित एक ज्वारीय मुहाना तट।

उत्तर: (b)

विस्तृत व्याख्या:

बॉन्डी बीच सिडनी, न्यू साउथ वेल्स में स्थित एक विश्व प्रसिद्ध रेतीला तट है, जो तस्मान सागर (प्रशांत महासागर का हिस्सा) में खुलता है। यह शहरी महानगरीय क्षेत्र के भीतर स्थित है, जिससे विकल्प (b) सही है।

प्रश्न 3. सम्राट 'पेरुम्बिडुगु मुथरैयार II' (Perumbidugu Mutharaiyar II) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वह मुथरैयार वंश से संबंधित थे जिसने चोलों के उत्थान से पहले कावेरी डेल्टा के कुछ हिस्सों पर शासन किया था।
2. वह पल्लवों के सामंत थे और तमिलनाडु में रॉक-कट गुफा शिलालेखों के लिए जाने जाते हैं।
3. उनका शासनकाल राष्ट्रकूटों के अधीन मुथरैयारों की पूर्ण राजनीतिक अधीनता का प्रतीक है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

विस्तृत व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** मुथरैयार कावेरी क्षेत्र में प्रारंभिक मध्यकालीन तमिल राजवंश थे, जो चोल प्रभुत्व से पहले अस्तित्व में थे।
- **कथन 2 सही है:** पेरुम्बिडुगु मुथरैयार II पल्लव अधिपत्य और नारदामलाई जैसे गुफा मंदिरों के शिलालेखों से जुड़े हैं।
- कथन 3 गलत है: इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि उनका शासन राष्ट्रकूटों के अधीन अधीनता का प्रतीक था; पल्लव संप्रभुता यहाँ अधिक प्रासंगिक है।

अतः, केवल कथन 1 और 2 सही हैं → केवल दो।

प्रश्न 4. ब्राजील में सबसे कम उम्र के ज्ञात 'रिनकोसॉर' (Rhynchosaurs) की हालिया खोज के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. रिनकोसॉर शाकाहारी सरीसृप थे जो मुख्य रूप से ट्राइऐसिक काल (Triassic period) के दौरान फले-फूले थे।
2. ब्राजील की खोज बताती है कि वे ट्राइऐसिक-जुरासिक सीमा के करीब, लेट ट्राइऐसिक तक जीवित रहे थे।
3. इस तरह की खोजें मुख्य रूप से 'चिक्सुलब प्रभाव' (Chicxulub impact) द्वारा शुरू किए गए सामूहिक विनाश को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

विस्तृत व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** रिनकोसॉर ट्राइऐसिक काल में प्रमुख शाकाहारी 'आर्कोसॉरमोर्फ' सरीसृप थे।
- **कथन 2 सही है:** "सबसे कम उम्र के" नमूनों से संकेत मिलता है कि वे अपने विलुप्त होने से ठीक पहले, लेट ट्राइऐसिक तक जीवित रहे थे।
- कथन 3 गलत है: 'चिक्सुलब प्रभाव' (एस्टरॉयड का गिरना) क्रिटेशियस काल के अंत में हुए विनाश से संबंधित है (जिसमें डायनासोर खत्म हुए), न कि ट्राइऐसिक-जुरासिक घटनाओं से।

अतः, केवल कथन 1 और 2 सही हैं → केवल दो।

प्रश्न 5. 'दंडामी मारिया' (Dandami Maria) जनजाति के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वे मध्य भारत के बस्तर क्षेत्र में रहने वाली गोंड जनजातियों का एक उप-समूह हैं।
2. उनकी भाषा द्रविड़ परिवार से संबंधित है।
3. वे पारंपरिक रूप से झूम खेती (shifting cultivation) और वन-आधारित आजीविका से जुड़े हैं।
4. वे मुख्य रूप से पश्चिमी घाट के पूर्वी ढलानों पर पाए जाते हैं।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

विस्तृत व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** दंडामी मारिया बस्तर (छत्तीसगढ़) में गोंडों की एक उप-जनजाति है।
- **कथन 2 सही है:** उनकी भाषा द्रविड़ परिवार की है।
- **कथन 3 सही है:** उनकी आजीविका में पारंपरिक रूप से झूम खेती और वन संसाधन शामिल हैं।
- कथन 4 गलत है: वे मध्य भारतीय उच्चभूमि (Highlands) में रहते हैं, न कि पश्चिमी घाट में।

अतः, कथन 1, 2 और 3 सही हैं → केवल तीन।

प्रश्न 6. पश्चिम एशिया के एक देश को दर्शाने वाले नीचे दिए गए मानचित्र पर विचार कीजिए।

यह पश्चिम में 'मृत सागर' (Dead Sea) से घिरा है और दक्षिण में 'अकाबा की खाड़ी' (Gulf of Aqaba) तक इसकी पहुँच है।

मानचित्र में निम्नलिखित में से कौन सा देश दिखाया गया है?

(a) इजरायल

(b) जॉर्डन

(c) सऊदी अरब

(d) इराक

उत्तर: (b)

विस्तृत व्याख्या:

जॉर्डन मृत सागर के पूर्व में स्थित है और अकाबा की खाड़ी (लाल सागर की एक शाखा) पर इसकी एक संकीर्ण दक्षिणी तटरेखा है। इसकी सीमा पश्चिम में इजरायल/वेस्ट बैंक, दक्षिण और पूर्व में सऊदी अरब, उत्तर-पूर्व में इराक और उत्तर में सीरिया से लगती है।

अतः, सही उत्तर जॉर्डन है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

GS पेपर I - विश्व इतिहास

प्रश्न 1. "1871 में जर्मनी का एकीकरण केवल राष्ट्रवादी भावना का उत्पाद नहीं था, बल्कि सोची-समझी कूटनीति और राज्य-कौशल (Statecraft) का परिणाम था।" आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

नमूना उत्तर:

1871 में जर्मनी के एकीकरण ने यूरोपीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित किया, जिसने कई राज्यों के खंडित क्षेत्र को एक शक्तिशाली राष्ट्र-राज्य में बदल दिया। जबकि राष्ट्रवादी आकांक्षाओं ने इसके लिए भावनात्मक पृष्ठभूमि प्रदान की, एकीकरण के पीछे निर्णायक शक्ति ओटो वॉन बिस्मार्क के नेतृत्व में प्रशिया का चतुर राज्य-कौशल और कूटनीति थी।

नेपोलियन युद्धों के बाद से राष्ट्रवाद बढ़ रहा था। समान भाषा, इतिहास और परंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक एकता के विचारों को बुद्धिजीवियों, कवियों और छात्र संगठनों (जैसे बर्शेनशाफ्टेन) द्वारा बढ़ावा दिया गया। 1848 की फ्रैंकफर्ट संसद ने उदारवादी संवैधानिक माध्यमों से जर्मनी को एकीकृत करने का प्रयास किया, लेकिन इसकी विफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि केवल आदर्शवादी राष्ट्रवाद राजनीतिक वास्तविकताओं पर विजय नहीं पा सकता।

बिस्मार्क की **'रीयलपॉलिटिक' (Realpolitik)** की नीति ने एकीकरण की दिशा बदल दी। उन्होंने अमूर्त राष्ट्रीय आदर्शों के बजाय प्रशिया को मजबूत करने का लक्ष्य रखा। **'जोल्वेरिन' (Zollverein)** के तहत आर्थिक एकीकरण के माध्यम से, प्रशिया जर्मन राज्यों के नेता के रूप में उभरा और ऑस्ट्रिया को हाशिए पर धकेल दिया। इस आर्थिक एकता ने राजनीतिक सुदृढ़ीकरण के लिए भौतिक आधार तैयार किया।

कूटनीति और सुनियोजित युद्ध इस प्रक्रिया के केंद्र में थे। श्लेस्विग-होल्स्टीन को लेकर डेनमार्क के खिलाफ युद्ध (1864) ने प्रशिया को जर्मन हितों के रक्षक के रूप में पेश किया। ऑस्ट्रो-प्रशिया युद्ध (1866) ऑस्ट्रिया को जर्मन मामलों से बाहर करने के लिए रचा गया था। अंततः, फ्रांस-प्रशिया युद्ध (1870-71) ने फ्रांसीसी भय और जर्मन राष्ट्रवाद का लाभ उठाया, जिससे दक्षिणी जर्मन राज्य प्रशिया के पीछे एकजुट हो गए।

बिस्मार्क की कूटनीतिक प्रतिभा विरोधियों को अलग-थलग करने में निहित थी। उन्होंने रूसी तटस्थता सुनिश्चित की और ब्रिटेन को शांत रखा। हालांकि, राष्ट्रवाद अप्रासंगिक नहीं था; लोकप्रिय उत्साह ने प्रशिया के नेतृत्व को वैधता दी।

निष्कर्ष: जर्मन एकीकरण राष्ट्रवादी ताकतों और बिस्मार्क के राज्य-कौशल के बीच अंतःक्रिया का परिणाम था। फिर भी, यह प्रशिया द्वारा कूटनीति और युद्ध का सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया उपयोग था जिसने राष्ट्रवादी सपनों को राजनीतिक वास्तविकता में बदला।

GS पेपर II - राजव्यवस्था और शासन

प्रश्न 2. "डिसकनेक्ट होने का अधिकार विधेयक, 2025 (The Right to Disconnect Bill, 2025) भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में कार्य-जीवन की सीमाओं को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करता है।" इसके महत्व, चुनौतियों और आगे की राह का परीक्षण कीजिए।

नमूना उत्तर:

यह विधेयक रिमोट वर्क और 24/7 कनेक्टिविटी के युग में बदलते कार्यस्थल की गतिशीलता के प्रति भारत की प्रतिक्रिया है। यह कर्मचारियों को निर्धारित कार्य घंटों के बाद काम से संबंधित संचार में शामिल न होने का अधिकार देने का प्रस्ताव करता है।

महत्व: यह श्रमिकों के मानसिक स्वास्थ्य और सम्मान की रक्षा करता है। स्मार्टफोन ने कार्यालय और व्यक्तिगत जीवन के बीच की रेखा को धुंधला कर दिया है, जिससे कर्मचारी 'बर्नआउट' और तनाव का सामना करते हैं। यह अधिकार **अनुच्छेद 21** (गरिमा के साथ जीवन का अधिकार) के अनुरूप है। यह लैंगिक न्याय को भी बढ़ावा देता है, क्योंकि भारत में देखभाल का घरेलू काम मुख्य रूप से महिलाओं पर पड़ता है।

चुनौतियां: 1. भारत के विशाल असंगठित क्षेत्र और 'गिग इकोनॉमी' में इसे लागू करना कठिन है।

2. आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में वैश्विक व्यापार मॉडल और टाइम-ज़ोन का अंतर कठोर कार्य-घंटों के नियमों को जटिल बनाता है।

3. छोटे उद्यमों के लिए इसका पालन महंगा हो सकता है।

आगे की राह: विधेयक में सामाजिक संवाद के माध्यम से क्षेत्र-विशिष्ट लचीलेपन की अनुमति दी जानी चाहिए। "कार्य के घंटे" और "आपात स्थिति" की स्पष्ट परिभाषा आवश्यक है। कार्यान्वयन में सहायता के लिए डिजिटल निगरानी तंत्र और शिकायत निवारण प्रणाली की आवश्यकता है।

निष्कर्ष: यह विधेयक एक मानवीय कार्य संस्कृति की ओर एक प्रगतिशील कदम है। यदि इसे हितधारकों के परामर्श से लागू किया जाता है, तो यह उत्पादकता को 'निरंतर उपलब्धता' के बजाय 'संतुलित जुड़ाव' के रूप में परिभाषित कर सकता है।

GS पेपर III - भारतीय अर्थव्यवस्था

प्रश्न 3. "एक बाजार अर्थव्यवस्था अक्सर दक्षता और नवाचार से जुड़ी होती है, फिर भी असमानता और अस्थिरता के लिए इसकी आलोचना की जाती है।" भारत के संदर्भ में इसके पक्ष और विपक्ष पर चर्चा कीजिए।

नमूना उत्तर:

बाजार अर्थव्यवस्था वह है जहां उत्पादन और वितरण के निर्णय मुख्य रूप से मांग और आपूर्ति की बाजार ताकतों द्वारा निर्देशित होते हैं। 1991 के सुधारों के बाद से भारत ने तेजी से बाजार-उन्मुख नीतियों को अपनाया है।

लाभ (Pros):

- **दक्षता:** प्रतिस्पर्धा लागत को कम करने और गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रोत्साहित करती है। भारत में उदारीकरण से आईटी और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में वृद्धि हुई।
- **नवाचार:** लाभ की प्रेरणा अनुसंधान और नई तकनीकों को अपनाने को बढ़ावा देती है, जैसा कि भारत के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में दिखता है।
- **उपभोक्ता विकल्प:** यह उपभोक्ता विकल्पों का विस्तार करता है और विकास को गति देता है, जिससे सरकार को कल्याणकारी योजनाओं के लिए अधिक कर प्राप्त होता है।

दोष (Cons):

- **असमानता:** बाजार के परिणाम अक्सर उनके पक्ष में होते हैं जिनके पास पूंजी और कौशल है। भारत में क्षेत्रीय और ग्रामीण-शहरी असमानता बनी हुई है।
- **अस्थिरता:** बाजार अर्थव्यवस्थाएं व्यापार चक्र और वित्तीय संकटों के प्रति संवेदनशील होती हैं।
- **सार्वजनिक वस्तुओं की कमी:** बाजार अक्सर स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में कम निवेश करते हैं क्योंकि वहां लाभ अनिश्चित होता है।

निष्कर्ष: भारतीय अनुभव एक मिश्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता दर्शाता है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह दक्षता बनाए रखते हुए एक जवाबदेह राज्य के माध्यम से समानता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बाजार की ताकतों का लाभ उठाए।

GS पेपर IV - नैतिकता (Ethics)

प्रश्न 4. "सार्वजनिक जीवन में, नैतिक अखंडता (Ethical Integrity) न केवल व्यक्तिगत ईमानदारी के बारे में है बल्कि संस्थागत जिम्मेदारी के बारे में भी है।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

नमूना उत्तर:

सार्वजनिक जीवन में नैतिक अखंडता का अर्थ है ईमानदारी, जवाबदेही और सार्वजनिक हित के प्रति प्रतिबद्धता जैसे नैतिक सिद्धांतों का पालन करना।

व्यक्तिगत स्तर: सार्वजनिक सेवकों को भ्रष्टाचार और हितों के टकराव से बचना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक जिला मजिस्ट्रेट द्वारा भूमि अधिग्रहण के मामलों में राजनीतिक दबाव को ठुकराना व्यक्तिगत साहस और नैतिक दृढ़ता को दर्शाता है।

संस्थागत जिम्मेदारी: संस्थागत ढांचा यह सुनिश्चित करता है कि नैतिक व्यवहार अपवाद के बजाय एक मानक बन जाए। पारदर्शी प्रक्रियाएं, स्वतंत्र निगरानी निकाय (जैसे CAG, CVC और लोकपाल) और मजबूत शिकायत निवारण तंत्र गलत काम के अवसरों को कम करते हैं।

- **उदाहरण:** ई-गवर्नेंस पहल (जैसे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) मानवीय हस्तक्षेप को कम करती है, जिससे सिस्टम डिजाइन के माध्यम से नैतिक परिणाम सुनिश्चित होते हैं।

संस्थाओं को व्हिसलब्लोअर्स की रक्षा करनी चाहिए। यदि नेतृत्व में ईमानदारी की कमी है तो संस्थाएं भी समझौता कर सकती हैं।

निष्कर्ष: व्यक्तिगत ईमानदारी आधार है, लेकिन संस्थागत जिम्मेदारी इसकी संरचना और स्थिरता प्रदान करती है। एक अनैतिक प्रणाली के भीतर एक नैतिक व्यक्ति सीमित होता है, जबकि मजबूत संस्थाएं नैतिक व्यक्तियों को प्रभावी ढंग से सेवा करने के लिए सशक्त बनाती हैं।

समसामयिकी (Current Affairs)

प्रश्न 5. "विरासत संरक्षण वास्तुकारों (Heritage Conservation Architects) का सूचीकरण (Empanelment) भारत में विरासत प्रबंधन के व्यवसायीकरण की दिशा में एक बदलाव को दर्शाता है।" इसकी प्रासंगिकता, चुनौतियों और संभावित प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

नमूना उत्तर:

भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन से खतरों का सामना कर रही है। सरकारी एजेंसियों द्वारा संरक्षण वास्तुकारों को सूचीबद्ध करने का कदम इस क्षेत्र को पेशेवर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रासंगिकता: * यह आधुनिक विकास और विरासत संरक्षण के बीच के अंतर को पाटता है। ये विशेषज्ञ ऐतिहासिक निर्माण तकनीकों और 'वेनिस चार्टर' जैसे वैश्विक मानकों का ज्ञान रखते हैं।

- यह जवाबदेही और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करता है। एक जांचे-परखे (vetted) पेशेवरों के समूह के माध्यम से सार्वजनिक धन का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होता है।
- यह विरासत पर्यटन की क्षमता को बढ़ाता है, जिससे स्थानीय आजीविका उत्पन्न होती है।

चुनौतियां:

1. भारत में प्रशिक्षित संरक्षण पेशेवरों की कमी है।
2. ASI, राज्य विभागों और शहरी निकायों के बीच समन्वय की कमी है।

3. संरक्षण को अक्सर विकास में बाधा के रूप में देखा जाता है।

आगे की राह: प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करना और शहरी नियोजन में संरक्षण को एकीकृत करना आवश्यक है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) और समुदाय के नेतृत्व वाले मॉडल स्थिरता बढ़ा सकते हैं।

निष्कर्ष: यह सुधार विरासत प्रबंधन को एक नौकरशाही अभ्यास से हटाकर एक पेशेवर और सहभागी प्रयास में बदल सकता है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver